सृजन

अंक एक

२५ अगस्त २०२५

हिंदी सप्ताह समारोह 2024

हिंदी विभाग ने 23 से 28 सितंबर 2023 तक हिंदी सप्ताह का आयोजन किया । विभाग ने सभी
छात्राओं के लिए निबंध लेखन और कविता लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया।प्रतियोगिताओं में निम्नलिखित छात्राओं ने पुरस्कार प्राप्त किए –

कविता लेखन प्रतियोगिता

प्रथम स्थान: आर्या नेवगी (तृतीया वर्ष कला शाखा हिंदी)
द्वितीय स्थान: हिष्बुन्निसा शेख (द्वितीय वर्ष कला शाखा हिंदी)

निबंध लेखन प्रतियोगिता

प्रथम स्थान: योजना घाडी(द्वितीय वर्ष कला शाखा हिंदी)
द्वितीय स्थान: धनश्री पाटिल (प्रथम वर्ष कला शाखा हिंदी)

कार्यशाला

अनुवाद – प्रकार, स्रोत और प्रक्रिया

हिंदी विभाग ने 10 अगस्त, 2024 को अनुवाद: प्रकार, स्रोत और प्रक्रिया विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया। प्रसिद्ध अनुवादक श्री दामोदर घाणेकर का कार्यशाला के लिए मार्गदर्शन प्राप्त हुआ।
इस कार्यशाला में 28 छात्राओं ने भाग लिया।

कार्यशाला

देवनागरी टंकण

हिंदी विभाग ने 24 अगस्त और 26 सितंबर, 2024 को देवनागरी टंकण पर कार्यशाला का आयोजन किया। इस कार्यशाला में 21 छात्राओं ने भाग लिया।

**हिंदी को सम्मान दो,
अपने दिलों में स्थान दो।**

**हिंदी से जुड़ी है आत्मा हमारी,
यह भाषा है सबसे प्यारी।**

हिंदी समाचार पत्रिका का निर्माण - सुश्री मोना सिंह (तृतीय वर्ष कला शाखा हिन्दी)
कॅनवा मार्गदर्शन - युगा आडारकार (ग्रंथपाल, कार्मेल महाविद्यालय)
समाचार संकलन तथा मार्गदर्शन- लता शिरोडकर (हिन्दी विभाग)

मुंशी प्रेमचंद की कहानियाँ एवं मानवीय मूल्य

मुंशी प्रेमचंद की कहानियों में प्राप्त मानव मूल्यों पर केंद्रित प्रतियोगिता 24 फरवरी, 2025 को आयोजित की गई थी। छात्राओं ने प्रेमचंद की कृतियों में प्राप्त सत्य , करुणा, न्याय और सामाजिक सुधार जैसे प्रमुख विषयों का विश्लेषण और प्रस्तुतीकरण करके सक्रिय रूप से भाग लिया।
इस प्रतियोगिता में समकालीन समाज में उनकी कहानियों की प्रासंगिकता पर गहन चर्चा की गयी । इस कार्यक्रम के लिए अर्थशास्त्र की प्राध्यापिका पूजा यादव तथा राजनीति शास्त्र की अध्यापिका फौजिया रीजवी ने निर्णायक के रुप में कार्य किया । इस प्रतियोगिता में आर्या नेवगी को प्रथम तथा अक्षता माजगावकर को द्वितीय पुरस्कार प्राप्त हुआ ।

कालजयी हिंदी रचनाकारों का जन्म शताब्दी समारोह

हिंदी विभाग ने 19 मार्च, 2025 को कालजयी हिंदी साहित्यकारों - रामवृक्ष बेनीपुरी, मोहन राकेश, कृष्णा सोबती, अमरकांत और श्रीलाल शुक्ल की जन्म शताब्दी के उपलक्ष्य में एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य हिंदी साहित्य में उनके योगदान को उजागर करना और छात्राओं में उनके साहित्यिक महत्व के बारे में जागरूकता पैदा करना था। छात्राओं ने इन लेखकों की साहित्यिक कृतियों पर अपने विचार व्यक्त करके कार्यक्रम में सक्रिय रूप से भाग लिया। कार्यक्रम का विशेष आकर्षण मोहन राकेश द्वारा लिखित नाटक 'आधे अधूरे' फिल्म की प्रस्तुति था। कुल मिलाकर कार्यक्रम एक समृद्ध अनुभव के साथ संपन्न हुआ ।

कबीर के दोहे

काल करे सो आज कर, आज करे सो अब। पल में प्रलय होएगी, बहुरि करेगा कब॥

बुरा जो देखन मैं चला, बुरा न मिलिया कोय। जो दिल खोजा आपना, मुझसे बुरा न कोय॥

सामाजिक गतिविधियाँ

नुवेम बाजार में पेपर बैग वितरण

पर्यावरण की सुरक्षा के उद्देश्य से हिंदी विभाग द्वारा 16 दिसंबर, 2024 को 'पेपर बैग निर्माण' गतिविधि आयोजित की गई थी। छात्राओं ने नुवेम बाजार में दुकानदारों और ग्राहकों को पेपर बैग वितरित किए। इस गतिविधि का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण के बारे में जागरूकता फैलाना था। नुवेम बाजार में पेपर बैग वितरण अभियान सफलतापूर्वक आयोजित किया गया। छात्राओं ने अनुभव किया कि वे प्राप्त संसाधन के वैकल्पिक तरीके से हमारी मातृभूमि को बचाने में मदद कर सकते हैं। छात्राओं ने कागज़ के पुन: उपयोग और पॉलीथीन बैग के विकल्पों की अवधारणा को समझा।

सूती कपड़ों का संग्रह अभियान

वास्को में अर्ज (अन्याय रहित जिंदगी - एक सामाजिक कार्य संगठन) ने महिलाओं के लिए आर्थिक पुनर्वास कार्यक्रम में एक समग्र दृष्टिकोण अपनाया है। इस परियोजना का समर्थन करने के लिए, विमेन इनिशिएटिव्स टुवर्ड्स सेल्फ हेल्प (WISH) के तहत, हिंदी विभाग ने 20 जनवरी 2025 से 27 जनवरी 2025 तक सूती ‘ कपड़ों का संग्रह ’ अभियान आयोजित किया। एकत्रित सूती कपड़ों के द्वारा महिलाएँ उपयोगी और सजावटी वस्तुएँ बनाती हैं, जो उन्हें अत्मनिर्भर बनने में सहायता प्रदान करती है । इस अभियान का उद्देश्य महिलाओं के सशक्तिकरण और आर्थिक पुनर्वास में योगदान देना था। हिंदी विभाग और अर्ज संगठन के संयुक्त प्रयास से यह अभियान सफलतापूर्वक चलाया गया।

हिंदी विभाग की छात्रा सुहानी डोडमणी को कार्मेल महाविद्यालय के ग्रंथालय के द्वारा सर्वश्रेष्ठ - उत्कृष्ट वाचक के रूप में पुरस्कार प्राप्त हुआ

अनमोल वचन

स्वार्थ में मनुष्य बावला हो जाता है।

आलस्य वह राजरोग है जिसका रोगी कभी संभल नहीं पाता।

यश त्याग से मिलता है, धोखे से नहीं।

मुरुडेश्वर क्षेत्र में भ्रमण

कर्नाटक के मुरुडेश्वर में भ्रमण का आयोजन हिंदी विभाग द्वारा द्वितीय वर्ष के हिंदी छात्राओं के लिए 14 और 15 जनवरी को किया गया था। इसमें कुल 12 छात्राओं ने भाग लिया, जिनके साथ दो हिंदी विभाग के सदस्य सुश्री विशाखा हरमलकर और श्री. प्रज्योत गावकर थे। यह भ्रमण छात्रों के पाठ्यक्रम के अंतर्गत आयोजित किया गया था, जिसमें लोक साहित्य का अध्ययन किया गया ।

इस भ्रमण का उद्देश्य छात्राओं को लोक साहित्य की गहरी समझ कराना और क्षेत्रीय संस्कृति के साथ जुड़ने का अवसर प्रदान करना था।

छात्राओं की उपलब्धियाँ

हिंदी छात्राओं ने 1 अक्टूबर, 2024 को पणजी के इंस्टिट्यूट मिनिझिस ब्रागांझा द्वारा आयोजित अंतरमहाविद्यालयीन कार्यक्रम 'हिंदी सृजनोत्सव' में भाग लिया। सुहानी डोडमणी, सादिका सोनेखानावर, अक्षता माजगांवकर, नगमा बख्शी और मिस्बाह शेख ने विभिन्न प्रतियोगिताओं में भाग लिया। कार्मेल महाविद्यालय को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ।

निम्नलिखित छात्राओं ने पुरस्कार प्राप्त किए :

सुश्री सादिका सोनेखानावर ने कविता प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त किया ।

सुश्री नगमा बख्शी ने स्केच बनाने की प्रतियोगिता में तृतीय स्थान प्राप्त किया ।

सुविचार

सपने वही सच्चे होते हैं ,जो मेहनत के पसीने से सींचे जाते हैं।

महानता कभी ना गिरने में नहीं है, बल्कि हर बार गिरकर उठ जाने में है।

भारतेंदु हरिश्चंद्र

निज भाषा उन्नति अहै, सब उन्नति को मूल।
बिन निज भाषा-ज्ञान के, मिटत न हिय को सूल।।